इसलिए परफॉर्मेंस में आई गिरावटः एमएसके प्रसाद

प्रसाद ने कहा कि पंत को धोनी की परछाई से बाहर निकलने की जरूरत है। वह शानदार प्रतिभा वाले खिलाड़ी हैं और उनमें भी टीम इंडिया में खुद को साबित करने की क्षमता है। इसीलिए टीम मैनेजमेंट ने उन्हें बार–बार मौके दिए हैं। पंत को जल्दी ही यह समझना चाहिए कि उन्हें धोनी से अपनी तुलना करने के बजाए सिर्फ अपने खेल पर फोकस करने की जरूरत है। उन्हें उन चीजों को दोहराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जो धोनी किया करते थे।

अपनी तुलना एमएस धोनी से करने लगे हैं ऋषभ पंत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की रिटायरमेंट से पहले ही टीम इंडिया के लिए उनका विकल्प तलाशना शुरू कर दिया था। इस दौड़ में टीम मैनेजमेंट ने दिल्ली के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया। शुरुआत में पंत को जब भी टीम इंडिया में मौका मिला तो उन्होंने खुद को साबित भी किया। लेकिन अभी पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन में गिरावट दर्ज हुई है और सीमित ओवर क्रिकेट में पंत से पहले अब केएल राहुल को मौके दिए जा रहे हैं। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद मानते हैं कि पंत के खेल में गिरावट का कारण एमएस धोनी से खुद की तुलना करना है। प्रसाद ने कहा कि पंत अब अपने आदर्श धोनी से न सिर्फ अपनी तुलना कर रहे हैं बल्कि कई मायनों में वह उन्हें कॉपी करने की भी कोशिश कर रहे हैं, इसीके चलते उनके खेल में गिरावट आई है। टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर और पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने स्पोर्ट्सकीड़ा के फेसबुक पेज पर दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही।

यूएस ओपन के QF में पहुंची सुपर मॉम पिरोनकोवा हुई भावुक

यूएस ओपन

दो साल के बेटे से दो सप्ताह से दूर, पहली बार तीन माएं क्वॉर्टर फाइनल में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यू यॉर्क। मैंने दो सप्ताह से अपने बेटे को नहीं देखा है। और यह काफी मुश्किल है। दिन ब दिन यह मुश्किल होता जा रहा है। लेकिन मैं जानती हूं कि वह मुझे देख रहा है। मैं जानती हूं कि उसे मुझ पर गर्व होगा। यह कहते हुए पिरोनकोवा भावुक हो गईं। मास्क ने उनके मुंह को ढंका हुआ था लेकिन उनकी लड़खड़ाती आवाज बता रही थीं कि भावनाएं हावी हो रही हैं। आंखें डबडबाने लगी थीं। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा खेलते देख उनके बेटे को गर्व होगा तो यह दूरी सही जा सकती है।

बुल्गारिया की त्स्वेताना पिरोनकोवा के ये शब्द अहसास दिलाने के लिए काफी हैं कि एक मां के लिए अपने दो साल के बच्चे से दूर रहना कितना मुश्किल है। और पिरोनकोवा ने जब तीन साल बाद कोर्ट पर लौटने का फैसला किया तो वे इस चुनौती से वाकिफ होंगी। उन्होंने कहा कि वह वाकिफ थीं कि वापसी इतनी आसान नहीं होगी। चुनौतियां होंगी। लेकिन उन्होंने काफी सोच–समझकर यह फैसला किया है। पिरोनकोवा ने मंगलवार को उन्होंने यूएस ओपन के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाने के बाद उन्होंने ये बातें कहीं।

त्स्वेताना पिरोनकोवा तीन साल बाद टेनिस कोर्ट पर उतरीं। मां बनने के बाद यह पहला मौका था जब बुल्गारिया की इस खिलाड़ी ने किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नमेंट में भाग ले रही हैं। यूएस ओपन में उनका अभी तक का सफर किसी परीकथा जैसा है। तीन साल का वक्त कम नहीं होता। इस दौरान उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से कई बदलावों को देखा। लेकिन पिरोनकोवा के इरादे बुलंद हैं। वह अपने चौथे ग्रैंड स्लैम क्वॉर्टर फाइनल में पहुंची हैं। उनके सामने चुनौती बड़ी है। लेकिन 32 वर्षीय इस खिलाड़ी को इसका आभास है। टेलीविजन स्क्रीन पर जिन भी लोगों ने उन्हें खेलते हुए देखा वे हैरान रह गए। टेनिस जैसा खेल जो शारीरिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है उसमें पिरोनकोवा की वापसी कैसी होगी यह एक बड़ा सवाल था। लेकिन अभी तक उनका खेल बकमाल रहा है। दसवीं वरीयता प्राप्त गैबरिन मुगुरुजा को उन्होंने सीधे सेटों में हराया तो सभी के मुंह खुले रह गए। प्री–क्वॉर्टर फाइनल हालांकि कठिन रहा लेकिन उन्होंने रणनीति बनाकर काम किया और अगले दौर में जगह बनाई।

पिरोनकोवा अब यूएस ओपन महिला एकल के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। अंतिम 16 के मुकाबले में उन्होंने फ्रांस की एलिज कॉर्नेट को हराया। तीन सेट चले मुकाबले में उन्होंने 6–4. 7–6. 6–3 से जीत हासिल की। अब क्वॉर्टर फाइनल में बुधवार को उनका मुकाबला छह बार की यूएस ओपन चैंपियन और एक मॉम सेरेना विलियम्स के साथ होगा।

जब टीम इंडिया से बाहर हुए थे द्रविड़ तो एमबीए एग्जाम पर निकाला गुस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ (तीनस क्तंअपक) को कभी टीम इंडिया की वनडे क्रिकेट टीम से बाहर कर दिया गया था। तब द्रविड़ पर निशाना साधा गया था कि वह तेज से रन नहीं बनाते। द्रविड़ इस बात से बहुत दुखी हुए थे और इसके बाद उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिर से टीम इंडिया में वापस आने की ठानी।

टीम इंडिया के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने द्रविड़ के उस मुश्किल दौर को याद किया है कि कैसे उन्होंने टीम इंडिया से बाहर होने का अपना गुस्सा अपनी पढ़ाई पर निकाला और फिर शानदार अंदाज में टीम इंडिया में वापसी भी की। हाल

1999 वर्ल्ड कप में छुआ आसमानः एमएसके प्रसाद

ही भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एमएसके प्रसाद एक न्यूज वेबसाइट स्पोर्ट्सकीड़ा के फेसबुक पेज पर इंटरव्यू दे रहे थे। इस दौरान जब उनसे राहुल द्रविड़ पर सवाल किया गया तो उन्होंने द्रविड़ के इस दौर को याद किया। उस दौर में प्रसाद और द्रविड़ एक ही अपार्टमेंट में रहते थे। ये दोनों खिलाड़ी अंडर 15 के दौर से एक साथ क्रिकेट खेल रहे थे। इसलिए वह द्रविड़ को बेहतर जानते हैं।

प्रसाद ने बताया, वह तब एमबीए कर रहे थे और तब इंटरनैशनल क्रिकेट में आने की वजह से एमबीएक के एग्जाम पूरा नहीं कर पा रहे थे। वनडे टीम से बाहर होने के बाद उन्हें करीब 6 महीने का ब्रेक मिला। वह इस दौरान वापस लौटे और उन्होंने अपने 13 पेपरों को कंप्लीट किया। भारत के लिए 6 टेस्ट और 17 वनडे मैच खेल चुके इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, श्एक ही फ्लैट में रहने के चलते मुझे अच्छे से याद है कि वह पढ़ाई के साथ–साथ रोज सुबह कड़ी मेहनत करते थे... मैं उनके इस दर्द का समझ सकता था। उन्होंने अपना सारा गुस्सा वहां (अपने एग्जाम) निकाल दिया।

एमएसके प्रसाद ने बताए अपने तीन सबसे मुश्किल फैसले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद को अपने कई फैसलों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने बतौर चीफ सिलेक्टर अपने तीन सबसे मुश्किल फैसलों का जिक्र किया है। प्रसाद ने बताया कि आखिर अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे कौन से फैसले से थे जिन्हें लेने में उन्हें खासी मुश्किलें पेश आईं। इसमें से एक 2019 विश्व कप में अंबाती रायूडू को नहीं शामिल करना भी एक रहा। प्रसाद ने उन फैसलों का जिक्र किया जिनके लिए उनकी काफी आलोचना हुई। रायूडू को वर्ल्ड कप टीम में न चुनना, करुण नायर को इंग्लैंड के खिलाफ 2016 में तिहरा शतक लगाने के बाद भी पर्याप्त मौके न देना और महेंद्र सिंह धोनी को एक फेयरवेल मैच न दे पाना उनके करियर के सबसे कठिन फैसले कहे जाते हैं। स्पोर्ट्सकीड़ा से बात करते हुए प्रसाद ने बताया कि आखिर क्यों नायर टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। करुण नायर ने तिहरा शतक लगाया था। इसके बाद वह तीन चार टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए।

न्यूज डायरी

गांगुली आईपीएल की तैयारियों का जायजा लेने के लिए दुबई रवाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष सौरभ गांगुली 19 सितंबर से जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग की तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को दुबई के लिए रवाना हुए। भारत में बढ़ते कोविड–19 मामलों को देखते हुए इस टी20 टूर्नमेंट को संयुक्त अरब अमीरात में कराया जा रहा है, जिसके शुरुआती मैच में गत चौम्पियन मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नै सुपरकिंग्स से होगा। गांगुली ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी फोटो के साथ पोस्ट किया, छह महीने में मेरी पहली फ्लाइट आईपीएल के लिए दुबई जाना होगा...जिंदगी बदल जाती है। गांगुली इस फोटो में मास्क और चेहरे की शील्ड पहने हुए थे, जो महामारी के दौरान उड़ान के वक्त मानक परिचालन प्रक्रिया का हिस्सा है। आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल उन अहम अधिकारियों में शामिल हैं, जो पहले ही दुबई जा चुके हैं।

कोहली जैसे खिलाड़ी के करीब भी नहीं हूं: मालन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) साउथम्पटन। इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मालन की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लगभग 50 के औसत से रन बनाने के बावजूद टीम में जगह पक्की नहीं है और उन्होंने कहा कि जब वह कम से कम 50 मैच खेल लें तब उनकी विराट कोहली जैसे खिलाड़ी से तुलना की जा सकती है। बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर उतरने वाले मालन ने अब तक 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने 48.71 की औसत से 682 रन बनाये हैं। इसमें एक नाबाद शतक भी शामिल है। इस 33 वर्षीय बल्लेबाज को जैसन रॉय और बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के खिलाफ नियमित तौर पर खेलने का मौका मिला। मालन ने कहा, ''मैं जिस तरह का खिलाड़ी हूं, मुझे यह जानना पसंद है कि टीम में मेरी स्थिति क्या है इसलिए मैंने कहा था कि जब आप शृंखला में खेलते हो तो आपको पता होता है कि आपको क्या करना है। ''

इंडियन प्रीमियर लीग है लेकिन आपके पास सिर्फ एक भारतीय हेड कोच है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। अनिल कुंबले फिलहाल अपनी पंजाबी लहजे पर काम कर रहे हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और कोच कुंबले इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन से पहले पंजाबी भाषा सीखने में जुटे हैं। किंग्स इलेवन पंजाब के मुख्य कोच कुंबले ने कहा, श्पंजाबी लड़कों के साथ जितना हो सके पंजाबी लहजे में बात करने की कोशिश करता हूं। यह 19 सितंबर को टूर्नमेंट शुरू होने से पहले टीम के लड़कों के साथ तालमेल बैठाने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। कुंबले खुशकिस्मत हैं कि आईपीएल में ऐसी चीजें कर सकते हैं। वह आठ टीमों की इस लीग में इकलौते भारतीय कोच हैं। बाकी अन्य सातों टीमों के मुख्य कोच विदेशी हैं। कुंबले इस हालात के विरोधाभास पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। वह कहते हैं, श्मेरे पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि अन्य टीमों के पास कोई भारतीय मुख्य कोच क्यों नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह भारत में मौजूद संसाधनों की क्वॉलिटी की सही तस्वीर पेश करता है।

उम्मीद है, एक दिन रानी रामपाल जैसी बनूंगी: लालरेमसियामी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड लालरेमसियामी ने कहा है कि 2017 का एशिया कप उनके करियर का टर्निंग पॉइंट था। 20 साल की लालरेमसियामी भारत के लिए अब तक 64 मैच खेल चुकी हैं। वह एफआईएच महिला सीरीज फाइनल्स और पिछले साल एफआईएच हॉकी ओलिंपिक क्वॉलिफायर में भारतीय टीम की जीत का हिस्सा रह चुकी हैं। लालरेमसियामी ने कहा, एशिया कप 2017 मेरे लिए पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में से एक था और इसलिए टूर्नमेंट में प्रदर्शन करना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। प्रतियोगिता में अच्छा खेलने के बाद मेरे खेल में मेरा आत्मविश्वास और बढ़ा। हमने उस टूर्नमेंट को भी जीतने के बाद 2018 विश्व कप के लिए क्वॉलिफाइ किया, इसलिए एशिया कप 2017 मेरे लिए हमेशा खास रहेगा।